उर्दू दैनिक तामीर के व २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक – काझी मकदूम शफीउद्दीन

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष - 1 ला अंक - १४० वा गुरुवार १९ दिसंबर २०२४ TITLE CODE : MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत २ रुपये पन्ने - ४

गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा जा रही बोट डूबी

3 नौसेना कर्मचारी समेत 13 की मौत, 101 बचाए गए; नेवी की स्पीड बोट ने टक्कर मारी

मुंबई : महाराष्ट्र के मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा जा रही नीलकमल बोट बीच समुद्र में डूब गई। 80 लोगों की क्षमता वाली बोट में 100 से ज्यादा यात्री सवार थे, जिसमें से 13 लोगों की मौत हो गई है। 101 लोगों का रेस्क्यू किया जा चुका है।

हादसा उरण के पास बुधवार शाम करीब 3:55 बजे हुआ। मुंबई से एलिफेंटा गुफाओं की ओर जाते समय अरब सागर में बुचर द्वीप के पास नौसेना की गश्ती स्पीड बोट ने नाव को टक्कर मार दी। इससे नाव में पानी भर गया और वह डूब गई।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 8:25 बजे विधानसभा में जानकारी दी कि मरने वाले 13 लोगों में से 10 आम लोग हैं जबकि 3 नेवी के कर्मचारी हैं। रेस्क्यू किए गए लोगों को छह अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

दो लोगों की हालत गंभीर है। राज्य सरकार सभी मृतकों के परिजन को 5 लाख रुपए की सहायता राशि देगी। पुलिस और नेवी मिलकर हादसे की जांच करेगी।

जानकारी के मुताबिक, नौसेना, जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (JNPT), तटरक्षक बल, यलोगेट पुलिस स्टेशन 3 और स्थानीय मछली पकड़ने वाली नौकाओं की मदद से राहत और बचाव कार्य को अंजाम दिया गया।

रेस्क्यू ऑपरेशन में नौसेना की 11 बोट, मरीन पुलिस की 3 बोट और कोस्ट गार्ड की 1 बोट लगी। 4 हेलीकॉप्टर भी रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे। यात्रियों को गेटवे ऑफ इंडिया वापस लाया गया। जहां से उन्हें अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

नेवी ने कहा- कैप्टन स्पीडबोट पर नियंत्रण खो बैठा

नौसेना ने X पोस्ट कर बताया कि नौसेना का जहाज इंजन ट्रायल पर था। कैप्टन उस पर से नियंत्रण खो बैठा और जहाज नीलकमल बोट से टकरा गया। चार नेवी हेलीकॉप्टर, 11 नेवी जहाज, एक कोस्ट गार्ड बोट और तीन समुद्री पुलिस बोट रेस्क्यू में जुटे। नेवी और सिविल जहाजों ने 99 लोगों का रेस्क्यू करके अस्पतालों में पहुंचाया। हादसे में 13 लोगों की जान गई है। इनमें एक नेवी कर्मी और दो OEM (ऑरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर) के लोग शामिल हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान के खिलाफ 'मविआ' विधायकों का वॉकआउट

वरिष्ठ विशेष प्रतिनिधी

नागपुर - संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के खिलाफ गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी के खिलाफ अपना विरोध जताने के लिए विपक्ष के नेता अंबादास दानवे आज शितकालिन सदन में खड़े हुए तो महाविकास अघाड़ी के विधायकों ने सदन से बहिर्गमन किया।

दानवे ने बताया की,जब हमने सदन में गृहमंत्री के बयान का विरोध किया, तो अध्यक्ष ने इसे रिकॉर्ड पर रखने के लिए एक अलग रुख अपनाया। ये गृहमंत्री का बयान है संविधान और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों का अपमान है. कि ,क्या महायुति उनका सम्मान नहीं करतीं. दानवेने विरोध करते हुए कहा कि अगर राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का मुद्दा उठाया जाता है तो गृह मंत्री के भाषण का मुद्दा क्यों नहीं उठाया जाता है.

शरद पवार जल्द जाएंगे बीड; सरपंच संतोष देशमुख के परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे

बीड : मांग है कि आरोपियों की मदद करने वाली पुलिस और राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों को भी हत्या के अपराध में शामिल किया जाए.

शरद पवार जल्द ही बीड जाएंगे और सरपंच संतोष देशमुख के परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे शरद पवार जल्द जाएंगे बीड; सरपंच संतोष देशमुख के परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे

सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले ने बीड जिले में राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल मचा दी है। केज तालुका के मासाजोग गांव के सरपंच देशमुख की सात आरोपियों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और तीन आरोपी अभी भी फरार हैं. साथ ही यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि पुलिस प्रशासन और राजनीतिक हस्तियों के उकसाने पर आरोपी जान देने तक पहुंच गए. इस पृष्ठभूमि में, यह समझा जाता है कि राष्ट्रवादी शरद चंद्र पवार पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार 21 दिसंबर को दिवंगत संतोष देशमुख के परिवार से मिलने के लिए मसाजोग जाएंगे। सरपंच संतोष देशमुख के अपहरण के बाद उनके रिश्तेदार की शिकायत के बावजूद पुलिस ने तीन घंटे तक मामला दर्ज नहीं किया.

एक महान संगीतकार, एक महान इंसान : जाकिर हुसैन

आज सुबह पार्श्वभूमी के संपादक गम्मतभाऊ भंडारी का फोन आया। उन्होंने कहा, "वाघमारे, आज जाकिर हुसैन पर जो संपादकीय आया है, उसे जरूर पढ़ें। यह बहुत ही शानदार लिखा गया है। मुझे संगीत के बारे में ज्यादा समझ नहीं है, लेकिन इस लेख ने मुझे गहराई से प्रभावित किया। हालांकि कुछ शब्द मेरे लिए अपरिचित थे, लेकिन मैंने सोचा कि आपको यह बात बतानी चाहिए।" उन्होंने यह भी सुझाव दिया, "मैं आपको यह लेख वॉट्सऐप पर भेज देता हूं, लेकिन अखबार खरीदकर पढ़ने का जो आनंद है, वह और कहीं नहीं मिलेगा।" मैंने तुरंत बुकस्टॉल पर जाकर अखबार खरीदा। भाऊ को यह लेख जितना पसंद आया, मुझे भी उतना ही अच्छा लगा, और यह मुझे जाकिरभाई की खूबसूरत यादों में ले गया।

यह लेख जाकिरभाई की आत्मा को न केवल एक कलाकार के रूप में बल्कि एक इंसान के रूप में भी खूबसूरती से पेश करता है। आज, जब उनकी मृत्यु के बाद कई लोग उनकी कला और व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि दे रहे हैं, मैं भी उनके अद्भुत व्यक्तित्व और कला को याद कर रहा हूं। मुझे बचपन में उन्हें लाइव सुनने का सौभाग्य मिला था। जालना के सरस्वती भवन में उनका एक कार्यक्रम था। उस समय मैं कॉलेज के लिए अंबड से अप-डाउन करता था। जब पता चला कि जाकिरभाई का कार्यक्रम है, तो हम तुरंत वहां भागे। हॉल में बड़ी भीड़ उमड़ी हुई थी। इस महान कलाकार को करीब से देखना और उनके तबले की जादुई धुनों को सुनना वास्तव में मंत्रमुग्ध कर देने वाला अनुभव था।

तबले को लोकप्रिय बनाने के लिए उन्होंने न केवल विभिन्न ताल प्रस्तुत किए, बल्कि अपनी उंगलियों से अनोखी आवाजें भी उत्पन्न कीं। वह ट्रेन की आवाज, पानी के नल पर झगड़े, घोड़ों के खुरों की आवाज और अन्य कई मजेदार ध्वनियां निकालते, जो बच्चों को बहुत पसंद आती थीं। एक महान कलाकार होने के बावजूद, वह जालना जैसे छोटे शहरों में भी कार्यक्रम करते थे ताकि तबले को सिर्फ एक सहयोगी वाद्ययंत्र के रूप में नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र वाद्य के रूप में पहचान मिल सके।

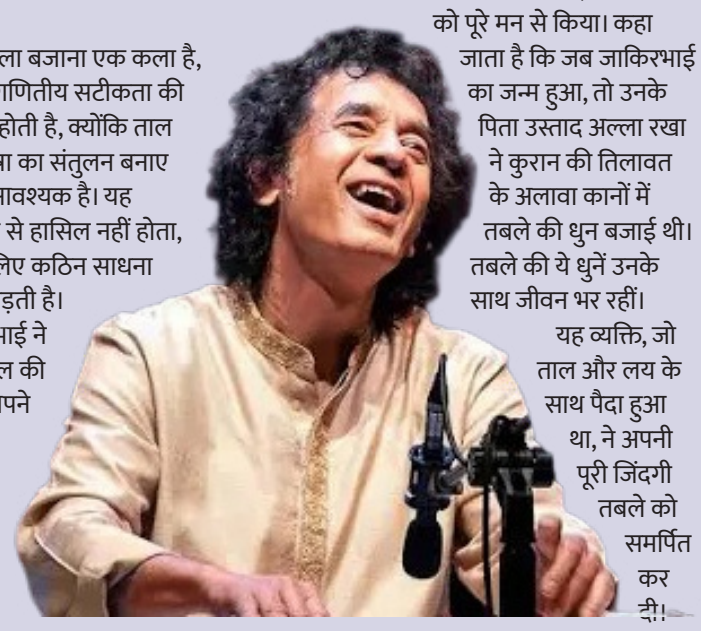

तबला बजाना एक कला है, जिसमें गणितीय सटीकता की जरूरत होती है, क्योंकि ताल और मात्रा का संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। यह सहजता से हासिल नहीं होता, इसके लिए कठिन साधना करनी पड़ती है। जाकिरभाई ने तीन साल की उम्र में अपने पिता के मार्गदर्शन में तबला बजाना शुरू किया। शुरुआत में, वह लकड़ी के टुकड़े पर अभ्यास करते थे, और अक्सर उनकी उंगलियों से खून भी निकलता था। लेकिन उन्होंने इस साधना को पूरे मन से किया। कहा जाता है कि जब जाकिरभाई का जन्म हुआ, तो उनके पिता उस्ताद अल्ला रखा ने कुरान की तिलावत के अलावा कानों में तबले की धुन बजाई थी। तबले की ये धुनें उनके साथ जीवन भर रहीं।

यह व्यक्ति, जो ताल और लय के साथ पैदा हुआ था, ने अपनी पूरी जिंदगी तबले को समर्पित कर दी!

आज, तबले की सोलो परफॉर्मेंस को जो पहचान मिली है, वह बड़े पैमाने पर जाकिर हुसैन के प्रयासों का परिणाम है।

हाल के वर्षों में, जाकिरभाई ने कोविड-19 महामारी के बाद पुणे में एक कार्यक्रम किया। इस कार्यक्रम का आयोजन सा वा नी संस्था ने किया था, और इसका संचालन मेरे भाई मंगेश वाघमारे ने किया। संयोग से, मैं भी उस समय पुणे में था। जब पता चला कि जाकिरभाई पुणे आ रहे हैं, तो लोगों में उत्साह चरम पर था। भीड़ का जोश किसी पॉप सिंगर के कार्यक्रम जैसा था। सभी टिकट बिक चुके थे, और लोग बेसब्री से उनके मंच पर आने का इंतजार कर रहे थे। जब जाकिरभाई मंच पर आए, तो उन्होंने शुरुआत पंडित उल्हास कशालकर के गायन के साथ की। उन्होंने दिखाया कि गायन को कितने संयम और खूबसूरती के साथ सहारा देना चाहिए। बाद में, उन्होंने सितार वादक निलाद्रि कुमार के साथ जुगलबंदी की, और दोनों ने अपने प्रदर्शन से समां बांध दिया। सत्तर साल की उम्र में भी जाकिरभाई की उंगलियों का जादू वैसा ही था जैसा उनके युवा दिनों में हुआ करता था। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे उन्हें लाइव सुनने का मौका मिला।

जो बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह उनकी विनम्रता है। कार्यक्रम की शुरुआत में, वह खुद अपने हाथों से तबला और डग्गा मंच पर लेकर आए, और कार्यक्रम के बाद भी उन्होंने खुद ही उसे समेटा। उनकी यह सादगी उनकी संगीत कला जितनी ही दिल को छूने वाली थी, और इसी ने उन्हें लोगों के दिलों में और गहराई से बसा दिया।

हालांकि जाकिरभाई अब हमारे बीच नहीं हैं और वे अपनी अनंत यात्रा पर निकल चुके हैं, लेकिन भारतीय शास्त्रीय संगीत के लिए उनका योगदान अद्वितीय और अवर्णनीय है। आने वाले समय में शायद किसी को यकीन भी न हो कि ऐसा कोई संगीतकार कभी हुआ था। जिन्हें उन्हें लाइव सुनने का अवसर मिला, वे वास्तव में सौभाग्यशाली हैं, और मैं खुद को उन सौभाग्यशाली लोगों में मानता हूं।

जाकिरभाई को,
हार्दिक श्रद्धांजलि!

– महेश वाघमारे, बीड़

कोहरे में लिपटा ताजमहल

आगरा : बुधवार को आगरा में एक ठंडी सर्दियों की सुबह घने कोहरे में लिपटा ताजमहल।

राम शिंदे बन गए विधान परिषद के सभापति दोनों सदनों में भाजपा के शीर्ष पीठासीन अधिकारी

नगपुर (अज़ीज़ एजाज़) भाजपा के राम शिंदे विधान परिषद के नए सभापति होंगे। गुरुवार 19 दिसंबर को इस पद के चुनाव की महज औपचारिकता बाकी है, क्योंकि महाविकास आघाड़ी ने इस पद के लिए कोई भी उम्मीदवार नहीं उतारा है। ऐसे में सभापति पद का चुनाव निर्विरोध हो चूका है। आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में राम शिंदे ने महाराष्ट्र विधान परिषद सभापति पद के लिए उम्मीदवारी का पर्चा दाखिल किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री अजित पवार, कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, चंद्रकांत दादा पाटिल, उदय सामंत और जय कुमार रावल उपस्थित थे।इस तरह दोनों सदनों में शीर्ष पीठासीन अधिकारी का पद भाजपा के पास होगा

शिवसेना शिंदे गुट की तरफ से उपसभापति डॉ. नीलम गोरे को सभापति पद की उम्मीदवारी देने के प्रयास किए गए थे, लेकिन विधान परिषद के संख्या बल के आधार पर राम शिंदे के नाम पर मुहर लगाई गई। 7 जुलाई 2022 को रामराजे निंबालकर का कार्यकाल खत्म होने के बाद से ही विधान परिषद के सभापति का पद रिक्त था, तभी से उपसभापति के रूप में डॉ. नीलम गोरे पर सदन को चलाने की जिम्मेदारी थी। पिछले सप्ताह भाजपा विधायक राहुल नार्वेकर को 15वीं महाराष्ट्र विधानसभा का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया था। शिंदे आठ जुलाई 2022 को राज्य विधान परिषद के सदस्य बने थे। उन्होंने देवेंद्र फडणवीस सरकार (2014-19 तक) में मंत्री के रूप में कार्य किया था। शिंदे 20 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव में कर्जत जामखेड विधानसभा सीट पर राकांपा (एसपी) नेता रोहित पवार से मामूली अंतर से हार गए थे। पवार ने 2019 के विधानसभा चुनाव में भी उन्हें हराया था।

मुख्यमंत्री द्वारा गृह विभाग की नई वेबसाइट का उद्घाटन

वरिष्ठ विशेष संवाददाता

नागपुर: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज गृह विभाग की नई वेबसाइट www.home.maharashtra.gov.in का उद्घाटन किया। यह अपडेटेड वेबसाइट अब ऑनलाइन उपलब्ध है।

गृह विभाग की बैठक के दौरान यह उद्घाटन मुख्यमंत्री के सरकारी निवास रामगिरी में हुआ। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. ए. एस. चहल, पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खारगे, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. श्रीकर परदेशी, और अन्य अतिरिक्त सचिव, प्रधान सचिव, गृह विभाग और पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नई वेबसाइट को उपयोगकर्ताओं के लिए सरल और सुविधाजनक बनाया गया है। इस पर विभिन्न विभागों के लिए त्वरित लिंक उपलब्ध कराए गए हैं, जिनमें शामिल हैं: महाराष्ट्र कारागार विभाग, महाराष्ट्र राज्य उत्पाद शुल्क विभाग, महाराष्ट्र राज्य उत्पाद शुल्क (ऑनलाइन सेवाएं), आपले सरकार (नागरिक सेवाएं), महाराष्ट्र राज्य पुलिस, बृहन्मुंबई पुलिस, महाराष्ट्र समुद्री मंडल, महाराष्ट्र सरकार, मोटर वाहन विभाग, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI), पुलिस अनुसंधान केंद्र (CPR), पुणे, अपराध जांच विभाग (CID), पुणे, महाराष्ट्र सुरक्षा बल, मुंबई ट्रैफिक पुलिस, एनजेडीडीजी (नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड), देश की सेवा में भारतीय पुलिस, राष्ट्रीय कारागार सूचना पोर्टल, ई-प्रॉसिक्यूशन सेवाएं ये त्वरित लिंक उपयोगकर्ताओं को विभिन्न सरकारी और विभागीय सेवाओं तक सीधी पहुंच प्रदान करते हैं।

जालना में १८ दिसम्बर अल्पसंख्यक हकक दिन के अवसर पर जिलाअधिकारी कि अध्यक्षता में बैठक आयोजित कि गई जिसमें मौलाना आज़ाद आर्थिक विकास मंडल के राज्य सदस्य शाह आलम खान के अल्पसंख्यक समुदाय के समस्याओं को विस्तार से रखा और साल भर के लिए योजना भी बनाई तथा मौलाना आज़ाद आर्थिक विकास महामंडल कि ओर से विधार्थीओ में तालीम के लिए कर्ज के चेक भी वितरित किए गये।

आज अल्पसंख्यक दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टर कार्यालय बीड में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर माननीय जिला कलेक्टर के साथ चर्चा की गई। जिला कलेक्टर के माध्यम से सरकार को मांगों का एक ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर खुर्शीद आलम, शफीक भाऊ, डॉ. सिराज खान अर्जू, सादेक इनामदार, प्रो. इलियास इनामदार, शेख खमरुद्दीन, आखेब मोमिन और अन्य लोग उपस्थित थे।

रूस ने कैंसर की वैक्सीन बनाई:पुतिन सरकार ने कहा- 2025 से नागरिकों को मुफ्त लगाएंगे; यह सदी की सबसे बड़ी खोज

मॉस्को : रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर आंद्रेई कप्रीन ने बुधवार को रेडियो पर कैंसर वैक्सीन बनाने का ऐलान किया।

रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि हमने कैंसर की वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर ली है। इसकी जानकारी रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर आंद्रेई कप्रीन ने रेडियो पर दी। रूसी न्यूज एजेंसी TASS के मुताबिक, इस वैक्सीन को अगले साल से रूस के नागरिकों को फ्री में लगाया जाएगा।

डायरेक्टर आंद्रेई ने बताया कि रूस ने कैंसर के खिलाफ अपनी mRNA वैक्सीन विकसित कर ली है। रूस की इस खोज को सदी की सबसे बड़ी खोज माना जा रहा है। वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल से पता चला है कि इससे ट्यूमर के विकास को रोकने में मदद मिलती है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बताया था कि रूस कैंसर की वैक्सीन बनाने के बेहद करीब है।

क्या होती है mRNA वैक्सीन

mRNA या मैसेंजर-RNA इंसानों के जेनेटिक कोड का एक छोटा सा हिस्सा है, जो हमारी सेल्स (कोशिकाओं) में प्रोटीन बनाती है। इसे आसान भाषा में ऐसे भी समझ सकते हैं कि जब हमारे शरीर पर कोई वायरस या बैक्टीरिया हमला करता है तो mRNA टेक्नोलॉजी हमारी सेल्स को उस वायरस या बैक्टीरिया से लड़ने के लिए प्रोटीन बनाने का मैसेज भेजती है। इससे हमारे इम्यून सिस्टम को जो जरूरी प्रोटीन चाहिए, वो मिल जाता है और हमारे शरीर में एंटीबॉडी बन जाती है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि इससे कन्वेंशनल वैक्सीन के मुकाबले ज्यादा जल्दी वैक्सीन बन सकती है। इसके साथ ही इससे शरीर की इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। mRNA टेक्नोलॉजी पर आधारित यह कैंसर की पहली वैक्सीन है।

कैंसर होने से पहले नहीं बल्कि बाद में दी जाती है वैक्सीन

कैंसर स्पेशलिस्ट एमडी मौरी मार्कमैन का कहना है कि कैंसर की वैक्सीन बनाना बायोलॉजिकल तौर पर असंभव है। कैंसर के लिए कोई टीका नहीं हो सकता क्योंकि कैंसर कोई बीमारी नहीं है। यह शरीर में हजारों अलग-अलग स्थितियों का परिणाम है।

फिर भी वैक्सीन कुछ कैंसरों की रोकथाम में जरूरी रोल निभाती है। ये वैक्सीन कैंसर रोगियों को उपचार के दौरान सुरक्षा देने में जरूरी टूल हैं। क्योंकि कैंसर मरीज को **इलाज के दौरान दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।**

कैंसर वैक्सीन की खास बात यह है कि यह कभी कैंसर होने से पहले नहीं दी जाती है, बल्कि यह उन लोगों को दी जाती है जिन्हें कैंसर ट्यूमर है। यह वैक्सीन हमारे इम्यून सिस्टम को यह पहचानने में मदद करती है कि कैंसर सेल्स कैसी दिखती है।

कैंसर वैक्सीन बनाना मुश्किल क्यों?

कैंसर सेल्स ऐसे मॉलिक्यूल से बनते हैं जो इम्यून सेल्स को दबा देते हैं। अगर कोई वैक्सीन इम्यून सेल्स को एक्टिव कर भी दे तो हो सकता है वो इम्यून सेल्स ट्यूमर के अंदर प्रवेश न कर पाए। कैंसर सेल्स सामान्य सेल्स की तरह ही होती हैं और इस वजह से इम्यून सिस्टम को यह उतनी खतरनाक नहीं लगतीं। इससे इम्यून सिस्टम के लिए यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि किस पर हमला करना है। अगर कैंसर का एंटीजन सामान्य और असामान्य सेल्स दोनों पर मौजूद होता है तो वैक्सीन दोनों पर हमला करना शुरू कर देती है। इससे शरीर को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचता है। कई बार कैंसर ट्यूमर इतना ज्यादा बड़ा होता है कि इम्यून सिस्टम उससे लड़ नहीं पाता है। कुछ लोगों का इम्यून सिस्टम काफी कमजोर होता है, इस वजह से कई लोग वैक्सीन लगने के बाद भी रिकवर नहीं कर पाते हैं।

भारत में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं को कैंसर भारत में 2022 में कैंसर के 14.13 लाख नए केस सामने आए थे। इनमें 7.22 लाख महिलाओं में, जबकि 6.91 लाख पुरुषों में कैंसर पाया गया। 2022 में 9.16 लाख मरीजों की कैंसर से मौत हुई।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com